

23/10/15

पत्रा. पत्रा जी वारी मं वही वही अनुपाहित ।
वारी एवं वही वारी को न्यायालय दायित्व होने हेतु
नार - 2 आवाज लगावारी जर तदुपागत - प्यापातये
उपाहित नही हुये मध्यम परचात पुनः वारी एवं
वही वही को न्यायालय अथवा उपागत वही एवं आवाज
लगावारी जर तदुपागत उपाहित नही हुये अतः वही
वारी अथवा दायित्व अथवा पत्रा मं वही मध्यम
स्वार्थक सिद्ध पाता है

पत्रा. पत्रा सुमात व. नंवार मं वही
द्वारा दायित्व वही है

23/10/15

